मूत्रवाहिनी संबंधी (युरीटरल) स्टेन्ट्स - आपको क्या पता होना चाहिए

मूत्रवाहिनी संबंधी (युरीटरल) स्टेन्ट क्या है?

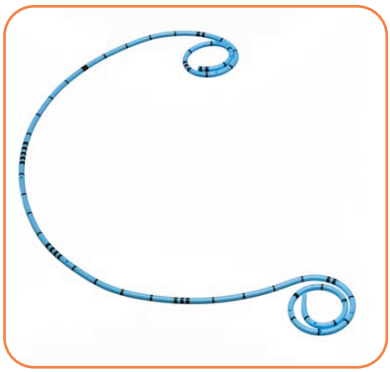

मूत्रवाहिनी संबंधी (युरीटरल) स्टेन्ट्स गुर्दे से मूत्राशय तक मूत्र का प्रवाह रोकने वाले अवरोध का उपचार या प्रतिकार करने के लिए मूत्रमार्ग में डाली जाने वाली एक छोटी ट्यूब या नली होती हैं. मूत्रवाहिनी संबंधी स्टेन्ट्स का सबसे आम कारण गुर्दे की पथरी का उपचार है. नीचे हमें मूत्रवाहिनी संबंधी स्टेन्ट्स के संबंध में प्राप्त होने वाले कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं.

मूत्रवाहिनी क्या है?

मूत्रवाहिनी ट्यूब या नली जैसी संरचना होती है जो मूत्र को गुर्दे से मूत्राशय तक पहुँचाती है. मूत्रवाहिनी पेट के मध्य भाग में लंबवत (ऊपर और नीचे) जाती है. आमतौर पर प्रत्येक गुर्दे के लिए एक मूत्रवाहिनी होती है. कुछ लोग एक गुर्दे के लिए दो मूत्रवाहिनियों या दोनों गुर्दों के लिए दो मूत्रवाहिनियों के साथ पैदा होते हैं. इसे द्विरावृत्ति या डुप्लीकेशन कहा जाता है.

स्टेन्ट क्या है?

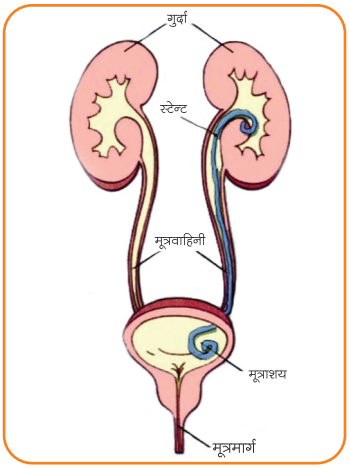

स्टेन्ट एक छोटी खोखली ट्यूब या नली होती है जिसे मूत्रवाहिनी में लगाया जाता है. यह लचीली और लंबाई में लगभग 10 इंच होती है.

जब इसे मूत्रवाहिनी में लगाया जाता है तो स्टेन्ट के शीर्ष भाग में एक छोटा सा कर्ल होता है जो गुर्दे में बैठता है और विपरीत सिरे का कर्ल मूत्राशय में बैठता है.

स्टेन्ट्स में छोर पर डोरी हो सकती है जो शरीर से बाहर दिखाई देती है. सभी स्टेन्ट्स में दिखाई देने वाली डोरी नहीं होती है.

मूत्रवाहिनी संबंधी स्टेन्ट्स क्यों लगाए जाते हैं?

मूत्रवाहिनी संबंधी स्टेन्ट इसलिए लगाया जाता है ताकि सामान्य प्रवाह अवरुद्ध हो जाने पर मूत्र गुर्दे से मूत्राशय में प्रवाहित हो सके. यह अवरोध का प्रतिकार करने के लिए भी लगाया जा सकता है.

किन कारणों से मूत्रवाहिनी संबंधी ट्यूब अवरूद्ध हो सकती है?

गुर्दे की पथरी मूत्रवाहिनी संबंधी स्टेन्ट लगाने का सबसे आम कारण है. अन्य कारणों में ट्यूब या नली की सिकुड़न (मूत्रवाहिनी का असामान्य रूप से संकरा होना), और मूत्रवाहिनी पर जोर लगाने और रुकावट पैदा करने वाले ट्यूमर जैसे बाहरी बल शामिल हैं.

उपचार की आवश्यकता वाली फूली, सूजी हुई या क्षतिग्रस्त मूत्रवाहिनी संबंधी (युरीटरल) ट्यूब्स या नलियों में उपचार प्रक्रिया के दौरान गुर्दे से बहाव जारी रखने के लिए स्टेन्ट लगाया जा सकता है.

स्टेन्ट के कारण क्या लक्षण हो सकते हैं?

स्टेन्ट लगे होने पर सामान्य लक्षण जो आप अनुभव कर सकते हैं, उनमें शामिल हैं :

- **मूत्र में रक्त –** हल्के गुलाबी रंगत वाले मूत्र से लेकर लाल वाइन के समान गहरे रंग तक हो सकता है.
- **डिस्यूरिया (पेशाब के साथ जलन) –** यह हल्के से लेकर मध्यम तक हो सकती है. आमतौर पर तरल पदार्थ का सेवन बढ़ाकर और कुछ पेय पदार्थों, खाद्य पदार्थों और कुछ दवाओं से बचकर डिस्यूरिया से राहत पाई जा सकती है.
- **तात्कालिकता –** वह भावना/संवेदना जो आपको होती है जब आपको जाना होता है.
- **आवृत्ति –** सामान्य से अधिक बार टॉयलेट जाना. आवृत्ति हर कुछ मिनट से लेकर एक बार में एक घंटे तक हो सकती है. तरल पदार्थ का सेवन बढ़ाने पर आवृत्ति बढ़ जाती है.
- मूत्रवाहिनी या मूत्राशय की ऐंठन. पेट के मध्य से निचले हिस्से में ऐंठन जैसी संवेदना, जिसका प्राय: मांसपेशियों में ऐंठन जैसी अनुभूति के रूप में वर्णन किया जाता है.

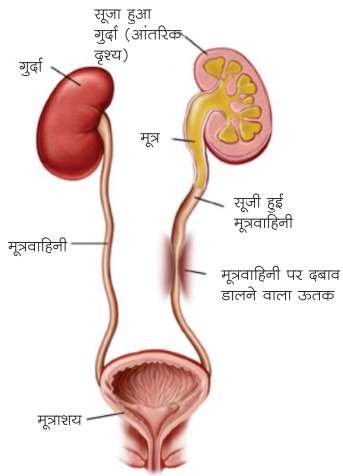

स्टेन्ट लगे होने पर कुछ लक्षण सामान्य नहीं होते हैं, और आपको अपने चिकित्सक से मिलना चाहिए. इनमें शामिल हैं :

- निरंतर गहरा रक्तमय मूत्र जो तरल पदार्थ के सेवन में वृद्धि से कम नहीं होता है.
- मूत्र में गाढ़ा थक्का या ऊतक जो पेशाब करने में कोई कठिनाई पैदा कर रहा हो.
- मूत्र संबंधी अवरोधन, जिसका अर्थ है कि आप बिल्कुल भी पेशाब करने में असमर्थ हैं. आपके निचले पेट में बढ़ती हुई असुविधा के साथ मूत्र की छोटी-छोटी बूंदों से अवरोधन की शुरुआत का पता चल सकता है, और आपको अपने चिकित्सक को सूचित करना चाहिए.
- किसी भी तरह का गंभीर दर्द जिससे किन्हीं भी दवाओं, या तो ओवर-द-काउंटर या चिकित्सक के पर्चे वाली दवाओं, से राहत नहीं मिलती है.
- 101.8° फेरनहाइट से अधिक लगातार बुखार

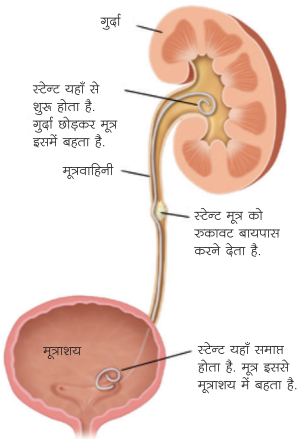

क्या मैं मूत्रवाहिनी संबंधी स्टेन्ट के साथ काम कर सकता/सकती हूँ?

हाँ, आप स्टेन्ट लगे होने के साथ अपनी सामान्य गतिविधियाँ जारी रख सकते हैं. हालांकि कुछ शारीरिक असुविधा हो सकती है, लेकिन स्टेन्ट आपको शारीरिक रूप से सीमित नहीं करता है.

उठाने या अपने सिर के ऊपर अपने हाथों को बार-बार ले जाने से रक्तस्राव हो सकता है, या रक्तस्राव बिगड़ सकता है जो पहले से ही मौजूद हो सकता है. यह आपके मूत्राशय पर स्टेन्ट की बढ़ते उत्तेजन से संबंधित होता है.

कितने समय तक मुझे स्टेन्ट लगने जा रहा है?

आपकी मूत्रवाहिनी के अंदर स्टेन्ट लगे रहने की अवधि की लंबाई उस कारण पर निर्भर करती है जिसके कारण इसे लगाया गया होता है. इन्हें केवल आपके मूत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा अनुशंसित समय सीमा में हटाया जाना चाहिए, न तो पहले न ही बाद में.

- पथरी-पूर्व उपचार- आमतौर पर शल्य चिकित्सा से एक या दो सप्ताह पहले
- पथरी-पश्चात उपचार
  - साधारण युरेटेरोस्कोपी के बाद जिसमें पथरी और किसी भी टुकड़े को निकाला गया था : 2-3 दिन
  - लिथोट्रिप्सी (पथरी को तोड़ने के लिए ध्वनि तरंग चिकित्सा) के बाद : 7-14 दिन.
- ट्यूमर या अन्य वृद्धि द्वारा मूत्रवाहिनी पर दबाव डालने वाले किसी बाहरी बल के कारण :
  - 3 महीने तक, और इसके विकास के आधार पर इसे हटा दिया जाएगा, स्टेन्ट वर्षों तक लगा रह सकता है. हालांकि, स्टेन्ट को हर 3-4 महीनों पर नियमित आधार पर बदला जाना चाहिए.
- सिकुड़न या संकरी मूत्रवाहिनी के कारण :

यह आपके और आपके मूत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा नियोजित उपचार पर निर्भर करेगा और भिन्न-भिन्न हो सकता है.

स्टेन्ट हटाने से एक घंटा पहले

- 3–4 कप पानी पिएँ
- अपने मूत्र रोग विशेषज्ञ के निर्देशानुसार दवाएँ लें

स्टेन्ट कैसे निकाला जाता है?

यदि डोरी शरीर के बाहर दिखाई देती है, तो इसे बिना किसी प्रक्रिया या विशेष उपकरण के उपयोग के कार्यालय में हटाया जा सकता है. यह अल्पावधि स्टेन्ट्स (1 सप्ताह या उससे कम के लिए आवश्यक) के लिए उपयोग किया जाता है. अध्यवसायी नर्स आपकी शल्य चिकित्सा के कुछ दिनों के भीतर कार्यालय में यह कर सकती है.

मूत्रवाहिनी संबंधी (युरीटरल) स्टेन्ट्स जिसमें दिखाई देने वाली डोरी नहीं होती है, या जो लंबी चिकित्सा अवधि के लिए लगाई गई है, के लिए मामूली कार्यालयीन (इन–ऑफिस) प्रक्रिया की आवश्यकता होती है.

एक छोटा, लचीला स्कोप, जिसे सिस्टोस्कोप कहा जाता है, मूत्रमार्ग में लगाया जाता है जिससे चिकित्सक के लिए मूत्राशय के अंदर से स्टेन्ट देखना संभव होता है. फिर, चिकित्सक द्वारा स्टेन्ट को स्कोप से जुड़ी छोटी चिमटियों से पकड़कर स्टेन्ट को निकाल दिया जाता है.

यह प्रक्रिया किसी मूत्र रोग विशेषज्ञ को करनी चाहिए, और इसे समय से पहले निर्धारित किया जाना चाहिए. यह सुनिश्चित करने के लिए, कि पथरी का कोई बड़ा टुकड़ा दिखाई न दे, स्टेन्ट हटाने से पहले एक्स–रे की आवश्यकता हो सकती है. बड़े टुकड़े जो निकले नहीं हैं, उनके लिए अतिरिक्त प्रक्रियाओं की आवश्यकता हो सकती है. इन मामलों में, स्टेन्ट यथावत बना रहेगा.

क्या मैं स्वयं स्टेन्ट निकाल सकता/सकती हूँ?

आपको स्वयं से स्टेन्ट निकालने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे जितना आप अनुमान लगा सकते हैं उससे कहीं अधिक नुकसान हो सकता है. इसमें शामिल हैं :

- गुर्दे, मूत्रवाहिनी, मूत्राशय की क्षति या संक्रमण
- गंभीर दर्द
- मूत्र संबंधी अवरोधन
- मूल प्रक्रिया में नहीं हटाए गए पथरी के टुकड़ों से मूत्रवाहिनी में फिर से रुकावट जिससे गंभीर दर्द होता है जिसके लिए स्टेन्ट बदलने के लिए दूसरे अस्पताल/ईआर जाने की आवश्यकता होगी.

स्टेन्ट हटाने के बाद मैं क्या उम्मीद कर सकता/सकती हूँ?

आपको, संभवत: कुछ छोटे थक्कों के साथ, रक्तमय मूत्र हो सकता है. मूत्रवाहिनी संबंधी ऐंठन के कारण आपको ''पीड़ादायक'' दर्द भी हो सकता है. आमतौर पर यह केवल कुछ घंटों तक रहता है, लेकिन अगले 2-3 दिनों में ठीक हो जाना चाहिए. कभी-कभी, हल्की असुविधा 2 सप्ताह तक बनी रह सकती है. साथ ही, आपको मूत्र संबंधी आवृत्ति के साथ पेशाब में जलन भी हो सकती है.

स्टेन्ट हटाने के बाद मुझे क्या करना चाहिए?

- प्रतिदिन 2.5-3 लीटर पानी पीएँ
- अपने मूत्र रोग विशेषज्ञ के निर्देशानुसार दवा लेना जारी रखें
- गुनगुने पानी से स्नान करें या हीटिंग पैड का उपयोग करें
- कब्ज रोकें, अधिक रेशेदार खाद्य पदार्थ (फल और सब्जियाँ) खाएँ